

उद्देश्य (Objectives)

1. विद्यार्थियों को भाषा की परिभाषा, विशेषताओं तथा भाषा के विविध रूपों (बोली, परिनिष्ठित भाषा, राजभाषा आदि) की स्पष्ट समझ प्रदान करना।
2. हिंदी भाषा की बोलियों तथा शब्द भंडार (तत्सम, तद्भव, देशज और विदेशी शब्द) का परिचय कराकर भाषिक संरचना की जानकारी विकसित करना।
3. नागरी लिपि के उद्भव, विकास, विशेषताओं तथा उसमें सुधार की संभावनाओं का अध्ययन कराना।

अपेक्षित परिणाम (Expected Outcomes)

1. विद्यार्थी भाषा की अवधारणा और उसके विभिन्न रूपों को स्पष्ट रूप से समझा और समझा सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी की प्रमुख बोलियों और शब्द भंडार के प्रकारों की पहचान कर उनके प्रयोग को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी नागरी लिपि के विकास, उसकी विशेषताओं तथा सुधार की संभावनाओं का विश्लेषण कर सकेंगे।

इकाई IV :

भाषा की परिभाषा और भाषा की विशेषताएं।

भाषा के विविध रूप : बोली, भाषा, परिनिष्ठित भाषा, साहित्यिक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्क भाषा, अंतर्राष्ट्रीय भाषा।

इकाई V :

हिंदी की बोलियां : पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, बिहारी हिंदी, पहाड़ी हिंदी, राजस्थानी हिंदी।

हिंदी का शब्द भंडार : तत्सम शब्द, तद्भव शब्द, देशज शब्द, आगत या विदेशी शब्दों का परिचय।

इकाई VI :

नागरी लिपि का उद्भव और विकास।

नागरी लिपि की विशेषताएं।

नागरी लिपि में सुधार की संभावनाएं।